



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

यूपी सरकार ने दी सौगात, महिलाओं के लिए 1 बड़ी खुशखबरी, उठाएं लाभ!



(यंग भारत न्यूज़)

उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के लिए कमाई का अपना जरिया शुरू करने का मौका मिल सकता है। लखपति दीदी योजना के जरिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय जानकारी और कारोबार शुरू करने के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की पहल की गई है।

इस योजना का फोकस महिलाओं को सिर्फ रोजगार से जोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें छोटे कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कौशल और वित्तीय सहायता देना



है। सिलाई, डेयरी, हस्तशिल्प, कृषि से जुड़े काम, डिजिटल बैंकिंग और ड्रोन जैसी गतिविधियों में प्रशिक्षण के अवसर दिए जाते हैं। यूपी में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी पात्र महिलाओं के लिए 1 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण का प्रावधान भी है। यह रकम चरणों में दी जाती है।

पहली किस्त 20 हजार रुपये, दूसरी 30 हजार रुपये और तीसरी 50 हजार रुपये की होती है। अगली किस्त के लिए पिछली राशि का समय पर भुगतान जरूरी है। योजना के लिए दी गई जानकारी के अनुसार आवेदक का उत्तर प्रदेश का निवासी होना, 18 से 55 वर्ष की उम्र के

बीच होना और स्वयं सहायता समूह से जुड़ा होना जरूरी है। परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। सरकारी नौकरी वाले सदस्य के परिवार तथा आयकरदाता परिवारों को पात्रता से बाहर रखा गया है। जो महिला अभी स।ल से नहीं जुड़ी है, वह स्थानीय स्वयं सहायता समूह या संबंधित ब्लॉक कार्यालय से जानकारी ले सकती है। आवेदन के लिए आधार/पहचान पत्र, निवास व आय प्रमाण, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर और फोटो जैसे दस्तावेजों की जरूरत पड़ सकती है। आवेदन की जांच के बाद पात्र महिलाओं को संबंधित प्रशिक्षण से जोड़ा जा सकता है। कारोबार की जरूरत और योजना के अनुसार आगे ऋण की प्रक्रिया पूरी की जाती है। इससे महिलाओं को अपना काम शुरू करने या मौजूदा गतिविधि को विस्तार देने में मदद मिल सकती है।

मायावती-योगी की बढ़ेगी टेंशन! सपा ने चल दिया ऐसा दलित कार्ड, चुनाव से पहले मच गया हड़कंप

(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सियासी पारा अभी से हाई होने लगा है। सत्ता की चाबी पाने के लिए सभी दल अपनी-अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने चर्चित पीडीए अभियान को और अधिक धार देने के लिए एक बेहद शानदार और नया तरीका निकाला है।

लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में हाल ही में करीब 15 मीटर लंबी एक लाल रंग की लगजरी बस पहुंची है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। इस बस के आने के बाद से ही यूपी के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

अखिलेश यादव ने साल 2023 के दौरान पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा था। इसका सीधा मकसद यादव और मुस्लिम वोट बैंक के साथ-साथ उन तमाम गैर-यादव पिछड़ी जातियों और दलित समुदायों को अपने पाले में लाना है, जो अब तक दूसरे दलों के साथ जुड़े रहे हैं। सपा की इस रणनीति में कुर्मी, पाल, निषाद, राजभर, मौर्य और कश्यप जैसी पिछड़ी जातियों के साथ-साथ दलित मतदाताओं को मजबूती से जोड़ने पर पूरा जोर दिया जा रहा है। पार्टी अब अपने पारंपरिक यादव-मुस्लिम समीकरण के दायरे से बाहर निकलकर एक बहुत बड़ा और मजबूत सामाजिक गठबंधन तैयार



करने की जुगत में लगी है। अगर पिछले चुनावों पर नजर डालें तो साल 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी

पार्टी ने कुल 403 सीटों में से 111 सीटों पर जीत हासिल की थी और उसका वोट शेयर लगभग 32.1 फीसदी रहा था,

जबकि बीजेपी को करीब 41.3 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन इसके बाद साल 2024 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर पूरी तरह बदल गई। कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली सपा ने यूपी की कुल 80 लोकसभा सीटों में से 37 पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जबकि बीजेपी की सीटें घटकर सिर्फ 33 पर सिमट गई। इस दमदार प्रदर्शन के बाद से ही सपा के भीतर और बाहर जोश हाई है, और पार्टी इसी सफलता को 2027 के विधानसभा चुनाव में भी दोहराना चाहती है। उत्तर प्रदेश की चुनावी बिसात पर दलित मतदाताओं की भूमिका हमेशा से किंगमेकर वाली रही है। राज्य में कुल 84 विधानसभा सीटें अनुसूचित जातियों के

लिए आरक्षित हैं। हालांकि, दलित वोट सिर्फ इन आरक्षित सीटों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये राज्य की बड़ी संख्या में सामान्य सीटों पर भी चुनावी नतीजों को पूरी तरह पलटने की ताकत रखते हैं। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और उसके सहयोगियों ने ज्यादातर आरक्षित सीटों पर बाजी मारी थी। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी अब दलित मतदाताओं के बीच अपनी पैठ को और गहरा करने के लिए रणनीति बना रही है। पार्टी सामान्य सीटों पर भी ज्यादा से ज्यादा दलित उम्मीदवारों को उतारने की तैयारी कर रही है। टिकट संगठन और टिकट बंटवारे दोनों स्तरों पर पीडीए फॉर्मूला मजबूत नजर आए। सपा के इस पीडीए

फॉर्मूले को लेकर बीजेपी, बसपा और अन्य विपक्षी दलों के नेता लगातार सवाल उठाते रहे हैं और इसकी अपने-अपने तरीके से सियासी व्याख्या करते हैं। इसके विपरीत, अखिलेश यादव और उनकी पार्टी इसे सीधे तौर पर सामाजिक न्याय और समाज के दबे-कुचले, पिछड़े, दलित तथा अल्पसंख्यक वर्गों की सच्ची राजनीतिक भागीदारी से जोड़कर देखते हैं। आज की तारीख में पीडीए सिर्फ एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि सपा के राजनीतिक एजेंड का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद अब सपा 'पीडीए 2.0' के तहत अपनी जमीन को और मजबूत करने में जुट गई है।

भाजपा और सहयोगियों की कुल 255 सीटों में से 140 विधायकों का कट सकता है टिकट?

» संघ और भाजपा के कुल 7 सर्वे में विधायकों की बड़ी संख्या पर लटक गई टिकट कटने की तलवार

» सात सर्वे में जिस विधायक का नाम नहीं आएगा डूब सकता है उसका सूरज

» राज्य सरकार ने तीन केंद्र सरकार ने 2 तथा संघ ने भी उत्तर प्रदेश में दो सर्वे करवाए हैं

» सड़क छाप से अरबपति बने अनेक विधायकों में तगड़ी बेचैनी

भाजपा और सहयोगी दलों के 140 टिकट कटने का खतरा ? चुनावी मंथन को लेकर पढ़ें संघ और भाजपा की अंदरूनी रिपोर्ट

अनिल शर्मा +संजय श्रीवास्तव
(यंग भारत न्यूज़)

नई दिल्ली, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश में आगामी लोग विधानसभा चुनाव 2027 के लिए कुल 7 सर्वे कर आए हैं। इनमें से तीन सर्वे उत्तर प्रदेश

सरकार ने करवाए हैं जिम एक सरकारी एजेंसी से तथा दो प्राइवेट एजेंसी से अलग-अलग सर्वे कर आए गए हैं ?। इसी तरह केंद्र सरकार ने दो अलग-अलग एजेंसियों से उत्तर प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा सीट का सर्वे कराया है। जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संघ के शुभचिंतकों और पत्रकारों के माध्यम से भाजपा की और उसके सहयोगी दलों की कुल कोई जीती हुई 277 सीटों का सर्वे करवाया है। जिसमें भाजपा के वर्तमान 255 विधायक है जबकि 13 विधायक अपना दल सोनेलाल गुट अनुप्रिया पटेल के पास है जबकि 9 विधायक राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के पास है।

पिछले लोकसभा में उत्तर प्रदेश में भाजपा और उनके सहयोगी संगठनों की हुई करारी हार से इस बार केंद्रीय और प्रदेशी भाजपा नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व में इस बार खूब-

खूब कर का कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है कही माथा पट्टी के बाद निर्णय लिया गया है की इस बार जो साथ सर्वे में जिस विधायक का नाम ऊपर नहीं आएगा उसका नाम काट दिया जाएगा भले ही वह कितना ही ताकतवर या कितना ही प्रभाव वाला क्यों ना हो। भाजपा और संघ के पुष्प सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ ने कल तीन सर्वे कर आए हैं। दिन में एक सरकारी एजेंसी से तथा दो प्राइवेट स्वतंत्र एजेंसियों से यह सर्वे करवाए गए हैं। इसी तरह केंद्र सरकार ने दो प्राइवेट एजेंसियों से सर्वे करवाए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संघ के पदाधिकारी और शुभचिन् को से प्रत्येक सीट का बुरा लेते हुए सर्वे कराया है तो वहीं प्रत्येक विधानसभा सीट में पत्रकारों से भी जानकारी ली गई है। पुत्र सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के कल 255 विधायकों में से 140

विधायकों की कमजोर स्थिति सामने आई है। जबकि बुंदेलखंड में पिछली बार के चुनाव में भाजपा और उसके गठबंधन ने 19 में से 17 सिम जीती थी इसमें से सर्वे में 10 सिम विधायकों की बेहद कमजोर नजर आई है। शीर्ष नेतृत्व तूने इसका एक कारण बताया है की जिस तरह से लोकसभा चुनाव में पार्टी ने सभी सांसदों को टिकट दे दिए थे जिसके कारण एंटी कांबेसी सरकार के खिलाफ उतनी नहीं थी जितनी उसे समय के सांसदों के खिलाफ थी। नेतृत्व का मानना है कि यदि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 40 या45 टिकट काट दिए गए होते तो परिणाम उत्तर प्रदेश में दूसरे होते,। इसी तरह सर्वे में यह बात निकाल कर आई है कि वर्तमान विधायकों दिन में कई दो और तीन बार के विधायक है उनके प्रति एंटीकांबेसी है। यानी विधायकों के विरोध में जनता नाराज है। इसलिए केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व में ऐसा किया है की जो विधायक 7 सर्वे में

» टिकट गया तो चला जायेगा सारा जलवा जलाल

» कमजोर स्थिति के विधायक अपने टिकट को लेकर करवा रहे हैं जासूसी

पहले नंबर पर नहीं आया। उसका टिकट काट दिया जाएगा भले ही वह कितना बाहुबली हो या प्रभाव वाला हो इस बार भाजपा और संघ का शीर्ष नेतृत्व कोई रिस्क नहीं लेगा।



मां की गोद में 4 दिव्यांग बच्चे, सिर पर टूटी छत और खाली जेब. एक परिवार की दर्दनाक कहानी ने झकझोर दिया!

(यंग भारत न्यूज)
 प्रदेश के बस्ती जिले से सामने आई एक परिवार की कहानी गरीबी, बेबसी और सरकारी सहायता की पहुंच को लेकर कई सवाल खड़े कर रही है। नगर पंचायत नगर के वार्ड नंबर 10, भगत सिंह नगर के भैरोपुर में रहने वाले राम किशन का परिवार बेहद कठिन परिस्थितियों में ज़िंदगी गुजारने का दावा कर रहा है।परिवार के मुताबिक, उनके चारों बच्चे दिव्यांग हैं, घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और रहने के लिए पक्की छत तक नहीं है। घास-फूस और पन्नी से बनी झोपड़ी में परिवार किसी तरह दिन काट रहा है।

सबसे ज्यादा चिंता परिवार की मां को लेकर है, जिनके कंधों पर चार दिव्यांग बच्चों की देखभाल की ज़िम्मेदारी है। परिवार का कहना है कि आर्थिक तंगी के कारण बच्चों का पर्याप्त इलाज भी नहीं हो सका। कई बार खाने तक की परेशानी सामने आती है और बच्चों का पेट भरने के लिए उन्हें दूसरों से मदद मांगनी पड़ती है। यह कहानी सिर्फ गरीबी की नहीं, बल्कि उस संघर्ष की भी है जिसमें एक परिवार रोज रोटी, इलाज, छत और जमीन जैसी



बुनियादी ज़रूरतों के लिए जूझ रहा है। भैरोपुर में राम किशन अपनी पत्नी और चार बच्चों के साथ जिस जगह रह रहे हैं, वहां पक्के मकान जैसी बुनियादी सुविधा नहीं है। परिवार के मुताबिक उनका आशियाना घास-फूस और पन्नी से बना हुआ है। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने की समस्या रहती है और परिवार को पन्नी के सहारे रात गुजारनी पड़ती है।ऐसे मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी उन बच्चों को होती है, जो परिवार के मुताबिक पूरी तरह दिव्यांग हैं। उनकी दैनिक ज़रूरतों के लिए भी दूसरे व्यक्ति की सहायता की आवश्यकता पड़ती है।

इस कारण परिवार पर देखभाल का अतिरिक्त बोझ बना रहता है। स्थानीय रिपोर्टों में परिवार की स्थिति का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि राम किशन खुद भी पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं। ऐसे में चार दिव्यांग बच्चों और परिवार की ज़िम्मेदारी काफ़ी हद तक उनकी पत्नी के कंधों पर आ गई है। एक मां के लिए अपने बच्चों की भूख और ज़रूरतों को पूरा करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है। लेकिन राम किशन के परिवार की स्थिति ऐसी बताई जा रही है कि रोजमर्रा की ज़रूरतें पूरी करना भी आसान नहीं है।परिवार का दावा है कि कई बार बच्चों

का पेट भरने के लिए मां को दूसरों से सहायता मांगनी पड़ती है। आर्थिक संकट के बीच बच्चों की देखभाल, भोजन और इलाज का खर्च परिवार के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। परिवार की मां की सबसे बड़ी चिंता अपने बच्चों का भविष्य है। वह चाहती हैं कि उनके बच्चों को कम से कम इतनी सुविधाएं मिलें कि उन्हें भोजन और बुनियादी ज़रूरतों के लिए किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े। परिवार की परेशानी सिर्फ भोजन और मकान तक सीमित नहीं है। परिवार के मुताबिक चारों बच्चों की दिव्यांगता के इलाज और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का खर्च उठाना उनके लिए संभव नहीं हो सका। दिव्यांग बच्चों की देखभाल में नियमित चिकित्सा, दवाइयों, सहायक उपकरण और अन्य ज़रूरतों पर खर्च हो सकता है। लेकिन जब किसी परिवार के लिए रोज का भोजन जुटाना ही मुश्किल हो, तो अतिरिक्त चिकित्सा खर्च उसके लिए और बड़ी चुनौती बन जाता है। परिवार का कहना है कि आर्थिक स्थिति के कारण वे बच्चों को वह उपचार और सुविधाएं नहीं दिला सके, जिनकी उन्हें आवश्यकता थी।

जितना दबाओगे, विरोध उतना तेज होगा’ रायबरेली की घटना पर भड़के सपा प्रमुख अखिलेश यादव

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के रायबरेली में समाजवादी छात्र सभा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं के बीच हुए जबरदस्त विवाद ने अब तूल पकड़ लिया है। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला है।उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि छात्रों के बीच चल रहे जागरूकता अभियान को रोकने की हर कोशिश का नतीजा बिल्कुल उल्टा साबित होगा। यह पूरा मामला रायबरेली के फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज का है, जहां गुरुवार को छात्र सदस्यता अभियान के दौरान समाजवादी छात्र सभा और एबीवीपी के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए थे। देखते ही देखते तीखी कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर नारेबाजी और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस हंगामे के दौरान सपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव और शहर कोतवाली प्रभारी के बीच भी तीखी बहस देखने को मिली। बात इतनी बढ़ गई कि मामला सीधे एसपी कार्यालय तक जा पहुंचा, जहां दोनों गुटों के कार्यकर्ताओं के भारी संख्या में जुटने से तनाव काफ़ी बढ़ गया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि रायबरेली में पीडीए समाज पर किया गया कथित प्रहार बेहद ‘ अपमानजनक एवं निंदनीय ’ है। उन्होंने समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि पुलिस के भारी दमन के बावजूद वे छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने में पूरी तरह सफल रहे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि इस घटना से पुलिस की ‘ हिंसक प्रवृत्ति ’ खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे घटनाक्रम से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज में एक नई राजनीतिक चेतना जाग उठी है, और बदलाव तभी आएगा जब अपनी पीडीए सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी लिखा कि, ‘ ‘ पीडीए ’ पर किया गया हर वार-प्रहार, मिलके बनाएगा अपनी पीडीए सरकार । ’ अखिलेश यादव ने कड़े शब्दों में दावा किया कि अगर बीजेपी यह सोचती है कि वह सपा छात्र सभा के युवाओं को छात्रों के बीच जागरूकता अभियान चलाने से रोक लेगी, तो यह उसकी सबसे बड़ी गलतफहमी है। उन्होंने दो टूक कहा कि छात्रों के बीच सुलग रही भाजपा विरोधी लहर अब किसी भी कीमत पर थमने वाली नहीं है। उन्होंने ‘ विरोध की भौतिकी ’ का जिक्र करते हुए कहा कि जनआक्रोश और विरोध को जितना ज्यादा दबाने की कोशिश की जाती है, उसकी प्रतिक्रिया उतनी ही अधिक मजबूत होकर सामने आती है। अपनी बात के अंत में उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि ‘ अब तो भाजपा पर खुद भाजपाई भी भरोसा नहीं कर रहे हैं, ’ और साथ ही नारा दिया कि ‘ छात्र कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा ! सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के गेट के बाहर समाजवादी छात्र सभा की ओर से ‘ पीडीए जागरूकता एवं सदस्यता अभियान ’ चलाया जा रहा था, तभी वहां ब्रह्मकूके कार्यकर्ता आ पहुंचे और दोनों पक्षों में विवाद छिड़ गया। एबीवीपी का आरोप है कि सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने उनके साथ अभद्रता की, जबकि समाजवादी खेमे ने पुलिस की कार्यशैली और कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। विवाद के तुरंत बाद एबीवीपी कार्यकर्ता कॉलेज के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। वहीं दूसरी तरफ, सपा कार्यकर्ता पुलिस के रवैए के खिलाफ सीधे एसपी कार्यालय पहुंच गए। हालात की गंभीरता को देखते हुए सीओ, एएसपी, सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीएम समेत भारी पुलिस-प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। रायबरेली के एसपी के मुताबिक, दोनों छात्र संगठनों के बीच आपसी विवाद हुआ था,



‘ अपमानजनक एवं निंदनीय ’ है। उन्होंने समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि पुलिस के भारी दमन के बावजूद वे छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने में पूरी तरह सफल रहे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि इस घटना से पुलिस की ‘ हिंसक प्रवृत्ति ’ खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे घटनाक्रम से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज में एक नई राजनीतिक चेतना जाग उठी है, और बदलाव तभी आएगा जब अपनी पीडीए सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी लिखा कि, ‘ ‘ पीडीए ’ पर किया गया हर वार-प्रहार, मिलके बनाएगा अपनी पीडीए सरकार । ’ अखिलेश यादव ने कड़े शब्दों में दावा किया कि अगर बीजेपी यह सोचती है कि वह सपा छात्र सभा के युवाओं को छात्रों के बीच जागरूकता अभियान चलाने से रोक लेगी, तो यह उसकी सबसे बड़ी गलतफहमी है। उन्होंने दो टूक कहा कि छात्रों के बीच सुलग रही भाजपा विरोधी लहर अब किसी भी कीमत पर थमने वाली नहीं है। उन्होंने ‘ विरोध की भौतिकी ’ का जिक्र करते हुए कहा कि जनआक्रोश और विरोध को जितना ज्यादा दबाने की कोशिश की जाती है, उसकी प्रतिक्रिया उतनी ही अधिक मजबूत होकर सामने आती है। अपनी बात के अंत में उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि ‘ अब तो भाजपा पर खुद भाजपाई भी भरोसा नहीं कर रहे हैं, ’ और साथ ही नारा दिया कि ‘ छात्र कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा ! सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के गेट के बाहर समाजवादी छात्र सभा की ओर से ‘ पीडीए जागरूकता एवं सदस्यता अभियान ’ चलाया जा रहा था, तभी वहां ब्रह्मकूके कार्यकर्ता आ पहुंचे और दोनों पक्षों में विवाद छिड़ गया। एबीवीपी का आरोप है कि सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने उनके साथ अभद्रता की, जबकि समाजवादी खेमे ने पुलिस की कार्यशैली और कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। विवाद के तुरंत बाद एबीवीपी कार्यकर्ता कॉलेज के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। वहीं दूसरी तरफ, सपा कार्यकर्ता पुलिस के रवैए के खिलाफ सीधे एसपी कार्यालय पहुंच गए। हालात की गंभीरता को देखते हुए सीओ, एएसपी, सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीएम समेत भारी पुलिस-प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। रायबरेली के एसपी के मुताबिक, दोनों छात्र संगठनों के बीच आपसी विवाद हुआ था,

खुशखबरी का धुआंधार ऐलान! यूपी में 1251 पदों पर भर्ती, सैलरी 92300

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भर्ती से जुड़ी बड़ी खबर है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पशुधन प्रसार अधिकारी के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के जरिए कुल 1251 पद भरे जाएंगे। 9 सितंबर से आवेदन शुरू इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 9 सितंबर 2026 से शुरू है। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी 29 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद शुल्क मिलान या करेक्शन के लिए 6 अक्टूबर 2026 तक का समय दिया गया है।

21 से 40 वर्ष तक आयु सीमा

पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की उम्र कम से कम 21 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट मिल सकती है।

92,300 तक पहुंचता है वेतन

इस पद को पे मैट्रिक्स लेवल -5 में रखा गया है। इसमें शुरुआती वेतन ₹29,200 है, जबकि अधिकतम वेतन ₹92,300 तक जाता है। हालांकि नोटिफिकेशन में ग्रांस या इन-हैंड सैलरी और अलग-अलग भत्तों की निश्चित राशि नहीं बताई गई है।

कहां करना होगा आवेदन ?

भर्ती का संचालन पशुपालन निदेशालय के तहत होगा और नौकरी उत्तर प्रदेश में होगी। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले आधिकारिक नोटिफिकेशन में अपनी पात्रता और ज़रूरी शर्तों की जांच कर लेनी चाहिए। आवेदन आयोग की वेबसाइट [हृक्षहृहृहृहृहृ६.हृश१](#).हृदृष्ट के माध्यम से किया जाएगा।

92,300 तक पहुंचता है वेतन

इस पद को पे मैट्रिक्स लेवल -5 में रखा गया है। इसमें शुरुआती वेतन ₹29,200 है, जबकि अधिकतम वेतन ₹92,300 तक जाता है। हालांकि नोटिफिकेशन में ग्रांस या इन-हैंड सैलरी और अलग-अलग भत्तों की निश्चित राशि नहीं बताई गई है।

कहां करना होगा आवेदन ?

भर्ती का संचालन पशुपालन निदेशालय के तहत होगा और नौकरी उत्तर प्रदेश में होगी। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले आधिकारिक नोटिफिकेशन में अपनी पात्रता और ज़रूरी शर्तों की जांच कर लेनी चाहिए। आवेदन आयोग की वेबसाइट [हृक्षहृहृहृहृहृ६.हृश१](#).हृदृष्ट के माध्यम से किया जाएगा।

पशुओ मे फैलने वाले लंपी रोग को लेकर विभाग एलर्ट

कोंच तहसील क्षेत्र में पशुओं में फैलने वाले लंपी रोग को लेकर पशु चिकित्सा विभाग पूरी तरह सतर्क है। बीमारी की रोकथाम के लिए विभागिय टीमें लगातार ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में भ्रमण कर पशुओं की जांच करने के साथ ही टीकाकरण अभियान चला रही हैं। पशु चिकित्सक डॉ प्रमोद कुमार ने बताया कि तहसील क्षेत्र में लंपी रोग के मामले फिलहाल अधिक नहीं हैं। इसके बावजूद विभाग की टीमें प्रतिदिन क्षेत्रों में पहुंचकर पशुओं की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम केंथी में लंपी रोग के दो मामले सामने आए थे।



जानकारी मिलते ही पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर संक्रमित पशुओं का उपचार और टीकाकरण कराया। इसी तरह कोंच नगर में भ्रमण के दौरान एक पशु में बीमारी के लक्षण पाए

गए, जिस पर तत्काल उपचार और टीकाकरण की कार्रवाई की गई। वहीं बजरंग दल के नगर संचायक कुलदीप सोनी ने बताया कि उनकी टीम भी बीमार पशुओं की सूचना मिलने पर पशु चिकित्सकों को मौके पर बुलाकर उपचार और टीकाकरण कराने में सहयोग कर रही है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि किसी पशु में लंपी रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल सूचना दें ताकि समय रहते उपचार कर बीमारी के प्रसार को रोका जा सके।

पितृपक्ष में दो सैकडा से अधिक पौधे लगाएगी हेल्पिंग एंड सेवा संस्थान

कोंच पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से झंझी जिले की हेल्लिंग एंड सेवा संस्थान द्वारा कोंच में आगामी 27 सितंबर को पितृपक्ष के अवसर पर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान वन विभाग के सहयोग से 250 पौधे लगाए जाएंगे। इसकी जानकारी संस्था के अध्यक्ष सत्येंद्र श्रीवास्तव ने दी। इस बात में संस्था के अध्यक्ष सत्येंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि हेल्लिंग एंड सेवा संस्थान लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अभियान चला रही है। संस्था की ओर से कोंच नगर सहित विभिन्न स्थानों, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पूर्व में भी पौधरोपण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने और उनके संरक्षण पर भी संस्था की ओर से लगातार ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष में पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ समाज को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया आगामी 27 सितंबर को आयोजित होने वाले अभियान में वन विभाग का भी सहयोग रहेगा। अभियान के तहत 250 पौधे लगाए जाने की तैयारी की जा रही है।संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि पौधरोपण के साथ ही लोगों को पौधों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा, जिससे लगाए गए पौधे भविष्य में पेड़ बनकर पर्यावरण को लाभ पहुंचा सकें। संस्था ने लोगों से भी अभियान में सहयोग करने की अपील की है। इस मौके पर हेल्लिंग एंड सेवा संस्थान झंझी के अध्यक्ष सत्येंद्र श्रीवास्तव, सुलग डिस्ट्रीया, अनुराग खरे, अतुल मिश्रा, संजय अग्रवाल दतिया वाले तथा वनाधिकारी प्रदीप तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बुंदेलखंड के दो ‘परचा बाबाओं’ पर दामोदर यादव का बड़ा बयान, बोले- ‘सुधर जाएं तो अच्छा है’

(यंग भारत न्यूज)

दतिया पहुंचे आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर सिंह यादव ने बुंदेलखंड के दो चर्चित धार्मिक स्थलों बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और पंडोखर धाम के गुरुशरण महाराज को लेकर तीखी टिप्पणी की। दोनों के बीच चल रही बयानबाजी के बीच दामोदर यादव ने कहा कि दोनों को सुधर जाना चाहिए। दामोदर यादव ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को अपना लाडला बताते हुए कहा कि वह उनसे करीब 12 साल छोटे हैं। उन्होंने कहा कि वे बुंदेलखंड में लगातार जाते रहे हैं और धीरेंद्र शास्त्री को लेकर उनका पुराना रख रहा है। इसी दौरान उन्होंने कहा कि वे सुधर जाएं तो अच्छा है। पंडोखर धाम के गुरुशरण महाराज को लेकर दामोदर यादव ने कहा कि वे उनसे करीब दो साल छोटे हैं। उन्होंने मौजूदा विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों के बीच कथित तौर पर ‘परचा’ निकालने को लेकर बयानबाजी चल रही है। दामोदर यादव ने कहा कि एक तरफ आरोप लगाया जा रहा है कि परचा निकालने के लिए 70 हजार



रुपये लिए जाते हैं, जबकि दूसरी तरफ पंडोखर धाम की ओर से एकड़ तक बता देने जैसी बातें कही जा रही हैं। उन्होंने इसी मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों की बयानबाजी पर सवाल उठाए। दामोदर यादव ने अपने पुराने रख का हवाला देते हुए कहा कि वह लगातार पाखंड और आडंबर पर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘ मैं बार-बार कहता था कि धर्म नहीं धंधा है, धर्म नहीं कहा कि एक तरफ आरोप लगाया जा रहा है कि परचा निकालने के लिए 70 हजार

‘दोनों परची वाले बाबा लड़ रहे हैं और दुकानें खोल रखी हैं।’ उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को मूर्ख बनाने का काम किया जा रहा है। दामोदर यादव के इस बयान के बाद बागेश्वर धाम और पंडोखर धाम से जुड़े विवाद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उनके बयान में दोनों धार्मिक गुरुओं के बीच चल रही कथित बयानबाजी और ‘परचा’ को लेकर उठ रहे सवालों का जिक्र प्रमुखता से सामने आया।

दो करोड़ के बीमे के लिए पिता ने कराई बेटे की हत्या, 3.5 लाख की सुपारी का आरोप; पांच पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के मुरादाबाद में दो करोड़ रुपये के बीमे की रकम हासिल करने के लिए बेटे की हत्या कराने के आरोप में गिरफ्तार पिता समेत पांच आरोपियों के खिलाफ अब गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।पुलिस के मुताबिक, इस मामले में पिता ने कथित तौर पर एक वकील के साथ मिलकर अपने बेटे की हत्या की साजिश रची थी। हत्या के लिए 3.5 लाख रुपये की सुपारी दिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, मामले की जांच के दौरान हत्या के पीछे बीमा की रकम हासिल करने की साजिश सामने आई। आरोप है कि मृतक के नाम करीब दो करोड़ रुपये का बीमा था। इसी रकम को हासिल करने के मकसद से उसके पिता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। बताया जा रहा है कि साजिश में एक वकील की भी भूमिका



सामने आई। पुलिस का दावा है कि पिता और वकील के बीच कथित तौर पर साटासाट थी। इसके बाद हत्या को अंजाम देने के लिए आरोपियों से संपर्क किया गया और 3.5 लाख रुपये की सुपारी तय की गई।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने हत्या से जुड़े साक्ष्य और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की। इसके बाद पिता समेत पांच आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस दो अब आरोपियों से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।जांच में सामने आए तथ्यों के मुताबिक, पुलिस हत्या के पीछे आर्थिक लाभ को मुख्य वजह मान रही है। दो करोड़ रुपये की बीमा राशि हासिल

करने के लिए बेटे को ही निशाना बनाए जाने का आरोप है।पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बीमा पॉलिसी कब ली गई थी और उसमें नामित व्यक्ति कौन था।मामले में पुलिस की कार्रवाई के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। एक पिता पर अपने ही बेटे की हत्या की साजिश रचने का आरोप होने से स्थानीय स्तर पर भी लोगों में हैरानी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई का उद्देश्य आरोपियों की आपराधिक गतिविधियों पर शिकंसा कसना और कानून के तहत उपलब्ध प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई करना है। मामले में पुलिस आरोपियों के खिलाफ जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है।पुलिस की जांच पूरी होने और अदालत में साक्ष्य पेश किए जाने के बाद ही आरोपों पर अंतिम न्यायिक निष्कर्ष सामने आएगा।

विदाई के बाद फूट-फूट कर रोया पिता, तब खुला दिल दहला देने वाला राज; 3 दिन तक फ्रीजर में रखा रहा मां का शव

(यंग भारत न्यूज)

कहते हैं कि माता-पिता अपने बच्चों की खुशियों के लिए पूरी दुनिया से लड़ सकते हैं, लेकिन हरियाणा के पानीपत से त्याग की एक ऐसी मिसाल सामने आई है जिसे सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गई हैं।

यहाँ एक बेबस पिता ने अपने बेटे के जीवन के सबसे बड़े दिन को उजड़ने से बचाने के लिए अपने सीने में गम का ऐसा पहाड़ छिपा लिया, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। मामला पानीपत के गांव गुड़ा का है। यहाँ के निवासी सुरेंद्र के घर में 12 सितंबर को उनके बेटे की शादी तय थी। घर में शहनाइयों की गूंज थी, मेहमान आ चुके थे और 11 सितंबर को मेहंदी की रस्म बड़े ही धूमधाम से चल रही थी। पूरा परिवार जश्न में डूबा था कि तभी अचानक खुशियाँ को किसी की नजर लग गई। सुरेंद्र की 50 वर्षीय पत्नी सुदेश देवी, जो लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जंग लड़ रही थीं, उन्होंने अचानक दम तोड़ दिया। मां का सिर्फ एक ही अरमान था—अपने बेटे को दूल्हा बनते देखना। पत्नी के चले जाने से सुरेंद्र के पैरों तले जमीन खिसक गई थी, लेकिन उन्होंने इस विकट परिस्थिति में भी खुद को संभाला। उन्होंने सोचा कि अगर इस वक्त मां की मौत की खबर बाहर आई, तो बेटे की शादी की खुशियाँ मातम में बदल जाएंगी और सामने वाले (दुल्हन) पक्ष के घर में भी दुखों का पहाड़ टूट पड़ेगा। अपने जीवन के इस सबसे बड़े दर्द को सुरेंद्र ने अपने सीने में ही दफन करने का फैसला किया। उन्होंने घर में किसी को भी भनक नहीं लगने दी। चुपचाप जनसेवा दल से संपर्क कर, पत्नी के पार्थिव शरीर को सुरक्षित रखने के लिए एक फ्रीजर का इंतजाम किया और उसे छिपा दिया। इसके बाद जो हुआ, वह एक पिता के सर्वोच्च बलिदान की कहानी है। सुरेंद्र पूरे तीन दिन तक घर आए मेहमानों का मुस्कुराते हुए स्वागत करते रहे। उन्होंने बारात की अगुवाई की, हंस्ते-हंस्ते बेटे की शादी की हर एक रस्म निभाई और दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद भी दिया। बाहर से देखने वाले किसी भी शख्स को यह अंदाजा नहीं था कि मुस्कुराते हुए चेहरे के पीछे एक पिता का दिल अंदर ही अंदर लहलुहान हो रहा है। 14 सितंबर को जब शादी की सभी रस्में पूरी हो गईं और दुल्हन विदा होकर घर आ गईं, तब जाकर सुरेंद्र के सब्र का बांध टूट गया। वह अचानक जमीन पर बैठकर फूट-फूट कर रोने लगे। जब परिवार और रिश्तेदारों ने उनके रोने का कारण पूछा, तब उन्होंने जो सच बताया उसे सुनकर वहां मौजूद हर शख्स का दिल दहल गया। जब सबको पता चला कि जिस मां के साप के बिना यह शादी पूरी हुई, उसका शव पिछले तीन दिनों से फ्रीजर में रखा था, तो पूरा गांव रो पड़ा। इसके बाद नम आंखों से मां का अंतिम संस्कार किया गया। एक पिता का अपनी संतान की खुशी के लिए किया गया यह त्याग अब सोशल मीडिया पर हर किसी को भावुक कर रहा है और लोग इस पिता के हौसले को सलाम कर रहे हैं।



नए मॉडल जौनिंग रेगुलेशन-2025 को लेकर एसडीएम ने आर्किटेक्टों के साथ की बैठक

कोंच विनियमित क्षेत्र कोंच में भवन मानचित्र स्वीकृति और नए नियमों को लेकर विनियमित क्षेत्र के नियत प्राधिकारी/एसडीएम अभिनव कुमार ने लाइसेंसधारी आर्किटेक्टों के साथ बैठक की गई जिसमें तहसीलदार मनोज कुमार, विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता और नगर पालिका परिषद के लिपिक मौजूद रहे।

बैठक में मॉडल जौनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रावधानों को लेकर आर्किटेक्टों को आवश्यक जानकारी दी गई।अधिकारियों ने मानचित्र तैयार करने और स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करने के दौरान नए नियमों एवं निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि विनियमित क्षेत्र में भवन निर्माण से संबंधित कार्य निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही किए जाएं। मानचित्र स्वीकृति के दौरान नियमों और प्रावधानों की अनदेखी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया। बैठक में आर्किटेक्टों की ओर से भी मॉडल जौनिंग रेगुलेशन और मानचित्र स्वीकृति से जुड़े बिंदुओं पर जानकारी ली गई। अधिकारियों ने संबंधित प्रक्रियाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए नियमों के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। इस दौरान नगर पालिका से आशुतोष चौहान, राजीव रेजा, रवींद्र कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को पुलिस परिवार ने दी 11.41 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

एक दिन के वेतन से जुटाई 11.41 लाख की राशि, पुलिस अधीक्षक ने शहीद जवानों के परिजनों को सौंपे सहायता राशि के चेक

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में शहीद हुए जालौन पुलिस के चार जवानों के परिजनों को मदद के लिए जिले के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकजुटता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। पुलिस परिवार ने अपने एक दिन के वेतन का योगदान देकर कुल 11 लाख 41 हजार 500 रुपये की सहायता राशि एकत्रित की और शहीद जवानों के परिजनों को प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य शहीद परिवारों को आर्थिक संबल देने के साथ यह भरोसा दिलाना है कि विपरीत परिस्थितियों में पूरा पुलिस विभाग उनके साथ खड़ा है।

दरअसल, 5 मई 2026 को हरियाणा के नूंह में हुए सड़क हादसे में जालौन पुलिस के चार जवान शहीद हो गए थे। हादसे में उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, आरक्षी अशोक कुमार और आरक्षी प्रदीप कुमार ने ड्यूटी के दौरान अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। जवानों की शहादत से उनके परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। पुलिस विभाग के लिए भी यह घटना बेहद पीड़ादायक रही। शहीद जवानों ने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपनी जान गंवाई। उनके पीछे परिवार के सदस्य रह गए, जिनके लिए जवानों का असमय चले जाना न केवल भावनात्मक बल्कि आर्थिक चुनौती भी बन गया। ऐसे समय में जालौन पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने साथी जवानों



के परिवारों की जिम्मेदारी साझा करने का निर्णय लिया। पुलिस परिवार की ओर से जिले के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने एक दिन के वेतन का योगदान दिया। इस सामूहिक योगदान से 11,41,500 रुपये की राशि एकत्रित हुई। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने पुलिस परिवार की ओर से शहीदों के परिजनों को सहायता राशि के चेक प्रदान किए। इस दौरान उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह की पत्नी और आरक्षी अशोक कुमार की माता को कुल 11.41 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। सहायता राशि सौंपते समय पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद जवानों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। यह पहल पुलिस विभाग के भीतर आपसी सहयोग और पारिवारिक भावना को भी दर्शाती है। ड्यूटी के दौरान किसी साथी जवान के साथ होने वाली अनहोनी को केवल उसके परिवार का दुख न मानकर पूरे पुलिस परिवार की जिम्मेदारी समझने का संदेश इस पहल के सामने आया। सहायता राशि प्रदान करते हुए पुलिस

अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने शहीद जवानों के बलिदान को याद किया और उनके परिजनों को भरोसा दिलाया कि पुलिस विभाग आगे भी उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा और उनके परिवारों को आवश्यकता के समय हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस विभाग की ओर से यह भी कहा गया कि शहीद परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी सहायता और सहयोग के कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे। विभाग का प्रयास रहेगा कि परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और जरूरत के समय उन्हें उचित मार्गदर्शन तथा सहयोग मिल सके। सहायता राशि प्रदान करने के अवसर पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशसेवा को याद किया। पुलिस परिवार की ओर से कहा गया कि ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों का योगदान हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। चारों जवानों की शहादत ने पुलिस विभाग को गहरा आघात पहुंचाया था। ऐसे में विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा आर्थिक योगदान कर परिवारों की मदद करना उनके प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को भी दर्शाता है। बच्चों की शिक्षा और

परिवार की जरूरतों पर भी रहेगा ध्यान पुलिस विभाग की ओर से शहीद जवानों के परिवारों की दीर्घकालिक जरूरतों पर भी ध्यान देने की बात कही गई है। विशेष रूप से शहीदों के बच्चों की शिक्षा और परिवार के अन्य सदस्यों की आवश्यकताओं को लेकर उपलब्ध योजनाओं और सहायता के माध्यम से सहयोग किए जाने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस विभाग का कहना है कि आर्थिक सहायता केवल तत्काल राहत तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि शहीद परिवारों को भविष्य में भी आवश्यक सहयोग मिलता रहे, इसके लिए विभागीय स्तर पर प्रयास जारी रहेंगे।

एकजुटता और संवेदना की मिसाल
उरई (जालौन) पुलिस परिवार की यह पहल शहीद जवानों के परिजनों के लिए आर्थिक मदद के साथ भावनात्मक सहारा भी है। एक दिन के वेतन का योगदान देकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह संदेश दिया कि कर्तव्य निभाते हुए जान गंवाने वाले जवानों के परिवार अकेले नहीं हैं। शहीद जवानों का बलिदान पुलिस विभाग के लिए हमेशा सम्मान और प्रेरणा का विषय रहेगा। उनके परिजनों को सहायता राशि सौंपकर पुलिस परिवार ने अपने साथी जवानों के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय दिया है। आने वाले समय में भी शहीद परिवारों की जरूरतों के अनुसार सहयोग जारी रखने की बात कही गई है।

दो सगी नाबालिग बहिनों को भगाकर उनका कथित तौर पर कौमार्य भंग करने के 3 आरोपी पुलिस ने पकड़े पुलिस ने दोनों अपहृत किशोरियों को बरामद किया

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। स्थानीय नगर के मोहल्ला राजघाट से दो सगी नाबालिग बहिनों के 3 अपहरण कर्ताओं को पुलिस अधीक्षक विनय कुमार मौय्य तथा क्षेत्राधिकारी राजेश कमल के निर्देश पर कालपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों अपहृत किशोरियों को बरामद करने में सफलता हासिल की है।
उल्लेखनीय हो कि दिनांक 16 अगस्त 2026 की रात करीब दो बजे वह अपने घर में सो रही व। तभी दो सगी बहिनों के गायब होने पर सनसनी मच गयी थी। किशोरियों की मां ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया कि उसका पति रिश्तेदारी में बाहर गया हुआ था। सुबह जागने पर उसने देखा कि उसकी 17 वर्षीय बड़ी बेटी और 15 वर्षीय छोटी बेटी घर में मौजूद नहीं थीं। पीड़िता ने दोनों बेटियों के अपहरण में रामगोपाल यादव के मकान में रहने वाले आरोपियों भगवान दास तथा मौनू, निवासीगण राजघाट पर दोनों किशोरियों को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की विवेचना महमूदपुरा चौकी इंचार्ज दिलीप मिश्रा गम्भीरता से कर रहे। शुक्रवार को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय वृम्ह तिवारी, एडीशनल इन्स्पेक्टर अवनीश कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह, सब इन्स्पेक्टर दिलीप कुमार मिश्रा, महिला सब इन्स्पेक्टर ममता कुमारी तथा पुलिस जवानों ने कालपी से सटे व्यास मंदिर रोड में घेराबंदी करके अपहरण कर्ता आरोपियों भगवानदास व मौनू तथा सलीम निवासी ग्राम दौलतपुर कानपुर देहात को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत दोनों किशोरियों को भी बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा दोनों नाबालिग बहनों की बरामदगी पर पारिवारिक जनो ने राहत महसूस की है। उपनिरीक्षक दिलीप मिश्रा के मुताबिक आवश्यक लिखा-पट्टी करके आरोपियों को सुसंगत धाराओं में जेल भेज दिया गया है।

स्नातक निर्वाचन के लिए 24 मतदान केंद्रों पर 33 मतदेय स्थल प्रस्तावित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मांगे आपत्ति व सुझाव, सात दिन में देने होंगे प्रस्ताव

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन-2026 की तैयारियों के क्रम में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन के लिए तैयार की गई प्रस्तावित मतदान केंद्र एवं मतदेय स्थलों की सूची पर विचार-विमर्श किया गया।
उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव राज ने बताया कि निर्वाचन के लिए जनपद में कुल 24 मतदान केंद्रों पर 33 मतदेय स्थल प्रस्तावित किए गए हैं। आयोग से प्राप्त निर्देशों की प्रति तथा प्रस्तावित मतदेय स्थलों की सूची सभी संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। उनसे सूची के संबंध में यदि कोई आपत्ति अथवा सुझाव हो तो उसे सात दिवस के भीतर जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित तैयारियों पर चर्चा करते हुए अधिकारियों ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा की। इस दौरान उप जिलाधिकारी माधौगढ़ मनोज प्रकाश, उप जिलाधिकारी कौंच अभिनव कुमार यादव, तहसीलदार अभिनव तिवारी, तहसीलदार उरई सुरेन्द्र कुमार गौतम सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के निर्वाचन प्रतिनिधि शान्ति स्वरूप माहेश्वरी, सीपीआईएम के जिला सचिव विनोद कुमार नगरिया, बहुजन समाज पार्टी के जिला सचिव भगवती शरणा पांचाल, अपना दल (सोनेलाल) के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी, कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सीताराम वर्मा, समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव जमालुद्दीन सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार परेड की सलामी लेकर पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। पुलिस अधीक्षक जालौन द्वारा शुक्रवार को पुलिस लाइन उरई में आयोजित परेड की सलामी ली गई। इसके बाद पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं, बैरिक एवं मेस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही पुलिस कर्मचारीगण का अर्दली रुम कर उनकी समस्याओं एवं कार्यों की जानकारी ली गई तथा आवश्यक निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।



कनेक्शन नहीं, फिर भी धड़ल्ले से के साथ कर रहे बिजली का उपयोग

किया सदर तहसील में अधिकारियों की नाक के नीचे स्टाम्प वेंडर कर है हैं खुले आम बिजली की चोरी
-बिजली कनेक्शन नहीं होने के बावजूद ई-स्टॉपिंग का काम संचालित करने का आरोप
(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय स्थित सदर तहसील परिसर में बिजली चोरी का मामला सामने आने से जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि तहसील परिसर में करीब एक दर्जन से अधिक स्टॉप विक्रेता ऐसे हैं, जिनके पास ई-स्टॉपिंग का लाइसेंस तो है, लेकिन उनके प्रतिष्ठानों पर विद्युत कनेक्शन नहीं है। इसके बावजूद कथित रूप से अवैध तरीके से बिजली का इस्तेमाल कर कंप्यूटर, प्रिंटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण संचालित किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ई-स्टॉपिंग का काम पूरी तरह कंप्यूटर और बिजली पर निर्भर है। ऐसे में बिना वैध विद्युत कनेक्शन के स्टॉप विक्रेताओं द्वारा कामकाज संचालित किए जाने के आरोप ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। आरोप यह भी है कि लंबे समय से इस तरह बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन अब तक संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी जांच या कार्रवाई नहीं की गई। तहसील परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग स्टॉप और ई-स्टॉपिंग



संबंधी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यदि बिना कनेक्शन के बिजली का इस्तेमाल किए जाने की शिकायत सही है तो विद्युत विभाग को मौके पर जांच कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं, तहसील प्रशासन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं कि परिसर में इस तरह की गतिविधियां कथित तौर पर चलने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस ओर क्यों नहीं गई। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर यदि बिजली चोरी की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही ई-स्टॉपिंग लाइसेंसधारकों के विद्युत कनेक्शन और परिसर में बिजली के उपयोग की भी जांच कराने की मांग उठाई गई है।

तेज बारिश से तिल-मूंग समेत फसलें प्रभावित, मुआवजे का इंतजार

जालौन तहसील क्षेत्र के कई गांवों में फसलों को नुकसान, किसानों ने सर्वे कराकर जल्द राहत दिलाने की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। पिछले दिनों हुई तेज बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लगातार बारिश और खेतों में पानी भरने के कारण जालौन तहसील क्षेत्र के कई गांवों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है। किसानों का कहना है कि बारिश ने उनकी महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है और अब उन्हें शासन-प्रशासन से राहत की उम्मीद है।
जालौन तहसील क्षेत्र के अकोदी दुबे, खर्री, जगनेवा, छिरिया सलेमपुर, सुद्वार सालबाद, परवाई, गुलाबपुरा, मलकपुर, औरखी, दमा और पमा सहित कई गांवों में किसानों ने फसलों को नुकसान होने की जानकारी दी है।
छिरिया सलेमपुर गांव में काजू गुसा, विकेश, जमील खान, पल्लू तिवारी, संतोष, ऋषि गुसा, गजेंद्र सिंह सेंगर, मिर्चू सेंगर, काशी प्रसाद, मलखान कुशवाहा, राजेंद्र कुशवाहा, शिव बहादुर कुशवाहा, नरेश कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा, राजू गुसा, संजय, नोतू पटेल, कल्लू पटेल और मानवेंद्र पाल समेत अन्य किसानों ने फसल नुकसान की समस्या बताई है। किसानों के मुताबिक तेज बारिश और खेतों में पानी भरने से तिल, मूंग समेत अन्य खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचा है। कई खेतों में पानी जमा होने के कारण फसलें प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही पानी की निकासी और फसल नुकसान का सर्वे नहीं कराया गया तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसानों ने प्रशासन से प्रभावित गांवों में गांव-गांव स्थलीय निरीक्षण कराकर फसल क्षति का वास्तविक आकलन कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि फसल खराब होने के बाद उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में शासन की ओर से मिलने वाली राहत और मुआवजे का उन्हें इंतजार है। किसानों ने मांग की है कि सर्वे प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से कराकर पात्र किसानों को नियमानुसार जल्द राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। किसानों की निगाहें अब प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही नुकसान का सर्वे शुरू कराया जाएगा।



कदौरा नगर पंचायत बोर्ड बैठक में 5 करोड़ के विकास कार्यो का प्रस्ताव पास

(यंग भारत न्यूज)

कदौरा/उरई। कदौरा नगर पंचायत में गुरुवार को बोर्ड बैठक नगर पंचायत अध्यक्ष अर्चना शिवहरे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नगर के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पास किया गया।
बैठक में सभी वार्डों के सभासदों ने अपने-अपने वार्ड की बिजली, सड़क, पानी और जल निकासी की समस्याओं को उठाया और उससे संबंधित प्रस्ताव रखे, जिन्हें मंजूरी दे दी गई। बैठक में पिछले सात महीनों से अटक दाखिल-खारिज (नामांतरण) के मामलों को लेकर सभासदों ने जोरदार आवाज उठाई और लंबित फाइलें पेश कीं। इस पर अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी ओमप्रकाश ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित कर्मचारियों को सभी लंबित फाइलों का जल्द निपटान करने के निर्देश दिए। इसके अलावा काफी समय से लंबित जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों का मुद्दा भी बैठक में उठा। इस पर अधिशासी अधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि शासन के नए सरकारी आदेश (जीओ) के कारण प्रक्रिया में कुछ तकनीकी बदलाव हुए थे, जिसकी वजह से काम लंबित हुआ। अब प्रक्रिया को सुचारू कर दिया गया है और बहुत जल्द सभी प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। आने वाले त्योहारों को देखते हुए नगर में साफ-सफाई, लगातार पानी की सप्लाई और स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त रखने के कड़े निर्देश दिए गए। सफाई और जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। वहीं सभासद राजवीर विश्वकर्मा ने बैठक का बहिष्कार किया। उनका आरोप है कि उनके वार्ड में कोई विकास कार्य नहीं किया गया है। इस पर अध्यक्ष अर्चना शिवहरे ने कहा कि नगर के पूरे विकास को प्राथमिकता दी जाएगी और 5 करोड़ के प्रस्तावों से सभी वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से सभासद गंधीर गौतम, अंकित कुमार, करिश्मा सहित अन्य सभासद मौजूद रहे।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढों को भरने की कार्ययोजना तैयार, सोमवार से चलेगा विशेष अभियान लोक निर्माण विभाग की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, अधिशासी अभियंताओं ने प्रस्तुत की अपनी-अपनी कार्ययोजना

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में बारिश के दौरान सड़क मार्गों पर हुए गड्ढों एवं उनके मरम्मत कार्य की समीक्षा की। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंताओं ने अपने-अपने खंडों की गड्ढामुक्ति कार्ययोजना जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि चिन्हित मार्गों पर गड्ढों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए तथा कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान रखा जाए।
प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रांतीय खंड, उरई के 47 मार्गों पर 189.26 किलोमीटर, निर्माण खंड-1, उरई के 39 मार्गों पर 150 किलोमीटर तथा निर्माण खंड-3, उरई के 73 मार्गों पर 213.96 किलोमीटर सड़क मार्ग को गड्ढामुक्त किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार कुल 159 मार्गों की 553.220 किलोमीटर लंबाई में गड्ढामुक्ति का कार्य कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिन्हित मार्गों पर कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र प्रारंभ कराते हुए नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़क मार्गों को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए संबंधित विभाग पूरी गंभीरता से कार्य करें। लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि उक्त कार्यों के लिए अनुबंध गठित किए जा चुके हैं तथा सोमवार से गड्ढामुक्ति अभियान प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमित सक्सेना, सुनील, महेंद्र सिंह आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

फतेहगढ़ एथलेटिक्स में जालौन के खिलाड़ियों का जलवा

आठ स्वर्ण और 16 रजत पदक जीतकर खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान



उरई,जालौन। फतेहगढ़ में 15 से 17 सितंबर तक आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जालौन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ स्वर्ण और 16 रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन फतेहगढ़ की एसपी आरती सिंह ने किया, जबकि समापन कानपुर के डीआईजी यमुना प्रसाद ने किया। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। 10 किलोमीटर दौड़ में जालौन के पवन ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं पांच किलोमीटर दौड़ में भी पवन ने प्रथम तथा शुभम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 42 किलोमीटर मैराथन रेस में जालौन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसमें पवन प्रथम और महेश यादव द्वितीय रहे। 4म100 मीटर रिले में जालौन की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। टीम में मनोज यादव, प्रदीप यादव, समीर खान और शुभम शामिल रहे। महिला वर्ग में जालौन की रूपल ने 100, 200 और 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में अंशिका ने प्रथम तथा 1500 मीटर दौड़ में मालती ने द्वितीय स्थान हासिल किया। ऊँची कूद में तनु ने प्रथम और रूपल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जालौन के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता में जिले का दबदबा रहा। पूरी टीम ने आठ स्वर्ण और 16 रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।

खेत बने तालाब, फसलें बर्बाद; राहत की मांग लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे सैकड़ों कार्यकर्ता

तिल, उड़द और मूंग की फसल को नुकसान, तत्काल सर्वे कराने की मांग

-50 प्रतिशत से अधिक क्षति वाले किसानों को तत्काल राहत देने की मांग
-सर्व में देरी पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी, डीएम ने दिए आंकलन के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। अतिवृष्टि और खेतों में जलभराव से खरीफ फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराने और प्रभावित किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर जनसंघर्ष मोर्चा ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर आवाज उठाई। संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।
मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार हुई बारिश से जिले के अनेक क्षेत्रों में खेत जलमग्न हो गए हैं। तिल, उड़द और मूंग सहित खरीफ फसलों को बारिश और जलभराव से नुकसान पहुंचा है। किसानों के मुताबिक कई खेतों में पानी लंबे समय तक जमा रहने से फसलें



गलने और सड़ने लगी हैं। खरीफ फसल पर निर्भर किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।
मध्यवर्ती क्षति का सर्वे कराने की मांग
जनसंघर्ष मोर्चा ने कहा कि प्रभावित किसानों को समय पर राहत दिलाने के लिए मध्यवर्ती क्षति का आंकलन जरूरी है। संगठन का आरोप है कि कई क्षेत्रों में अभी तक व्यवस्थित ढंग से फसल क्षति का सर्वे नहीं कराया गया है। इससे फसल बीमा योजना के तहत राहत मिलने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।
ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई कि अतिवृष्टि प्रभावित गांवों में तत्काल सर्वे दल भेजकर खेतों में हुए वास्तविक नुकसान का आंकलन कराया जाए। साथ

ही 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति वाले किसानों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की गई।
बीमा कंपनी और कृषि विभाग पर उठाए सवाल
कार्यकर्ताओं ने एसबीआई इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा कृषि विभाग के उप निदेशक से संबंधित बीमा प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मोर्चा ने बीमा कंपनी को फसल नुकसान का शीघ्र सर्वे कराने के निर्देश देने तथा किसानों के बीमा दावों का जल्द निस्तारण कराने की मांग की। संगठन ने एक माह पूर्व पॉलिसी कराने वाले किसानों को भी बीमा कवर में शामिल किए जाने की मांग रखी।
ज्ञापन देने वालों ने चौधरी जय करन सिंह, खरुसा ग्रंथ सिंह कुशवाह, अशोक

गुप्ता महावली, रोहित त्रिपाठी, रविन्द्र यादव, दीपशिखा, विनय पाठक, देवेश चौरसिया, अनुज मिश्रा, आदित्य मिश्रा, रवि कुमार, अमित त्रिपाठी, अरविंद कुमार राजपूत, राजीव कुशवाहा, सुदामा बरहा और हरी सिंह राजपूत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।
डीएम ने जल्द आंकलन का दिया भरोसा
मामले में जिलाधिकारी समीर ने कहा कि किसानों की जो भी संभव मदद होगी, कराई जाएगी। उन्होंने बीमा कंपनी और उप निदेशक कृषि को प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र फसल क्षति का आंकलन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बीमा कंपनी अपने सर्वेयर के माध्यम से फसल नुकसान का सर्वे करेगी और प्रशासन की ओर से भी प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी जुटाई जाएगी। मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि फसल क्षति का सर्वे शीघ्र नहीं कराया गया और किसानों को राहत नहीं मिली तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। अब किसानों की निगाहें सर्वे प्रक्रिया और उसके आधार पर मिलने वाली बीमा एवं सरकारी राहत पर टिकी हैं।

युवा सशक्त राष्ट्र का निर्माता - अकिंचन भार्गव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)
उरई। एस आर पब्लिक स्कूल, कालपी रोड, उरई में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें भारतीय संस्कृति, इतिहास और गौरवशाली परंपराओं से परिचित कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम गायन और भारत माता के चित्र पर पुष्पार्पण के साथ हुआ।
कार्यक्रम में मुख्य वक्ता झांसी विभाग के विभाग विद्यार्थी प्रमुख अकिंचन भार्गव ने कहा कि एक आदर्श सामाजिक युवा जागरूक, जिम्मेदार और समाज निर्माण के प्रति समर्पित होना चाहिए। उसमें नैतिक मूल्यों और आधुनिक सोच का संतुलन होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा में अपने समाज के प्रति सहानुभूति और संवेदनशीलता होने के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों, कानून और अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूकता होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत के युवा ही देश का भविष्य हैं। यदि युवा अपनी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं की सही समझ रखते हुए आधुनिक शिक्षा एवं तकनीकी ज्ञान के साथ आगे बढ़ेंगे, तो भारत को विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। यही संघ के पंच परिवर्तन - समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व-बोध और नागरिक कर्तव्य का मूल भाव है। अंत में प्रधानाचार्या डॉ. रश्मि शुक्ला ने अपने आशीर्वाचन में कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर जिला विद्यार्थी प्रमुख गोपाल गुबरेले सहित समस्त शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जगनेवा में विश्वकर्मा जयंती पर भव्य पूजा, झांकी और हवन

(यंग भारत न्यूज)



उरई। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर दिनांक 17 सितंबर 2026, बुधवार को ग्राम जगनेवा में काली माता मंदिर, रामदयाल विश्वकर्मा जी के दरवाजे पर भगवान श्री विश्वकर्मा जी की भव्य पूजा-अर्चना, आकर्षक झांकी, हवन-पूजन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पंडित जी द्वारा विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर विश्व शांति व समाज के कल्याण के लिए हवन किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठजन व युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से राजू विश्वकर्मा, शैलेश विश्वकर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, विद्याराम विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, राजाबाबू विश्वकर्मा, एसपी विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, रोहित विश्वकर्मा, शिवम विश्वकर्मा, मोहित विश्वकर्मा, सत्यम विश्वकर्मा, प्रांशु विश्वकर्मा, ओमकार विश्वकर्मा सहित हरीपुरा से मनोज विश्वकर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा, परशुराम विश्वकर्मा तथा कुठौदा बुजुर्ग से गुड्डु पांचाल, दिनेश पांचाल एवं ग्राम व आसपास क्षेत्र के समस्त विश्वकर्मा बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी समाज बंधुओं का सराहनीय सहयोग रहा।

दुकान खाली कराने को लेकर खूनी संघर्ष, बीच सड़क पर रिश्ते के दामाद पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का आरोप, पैथोलॉजी संचालक की हालत गंभीर

(यंग भारत न्यूज)
उरई।कोतवाली क्षेत्र के जेल रोड पर शुक्रवार को दुकान खाली कराने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि दबंगों ने यश पैथोलॉजी के संचालक हलीम पर लाठी-डंडों और नुकीले हथियारों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।
बताया गया कि हलीम ने गुलाम मोहम्मद से किराए पर दुकान ले रखी थी। गुलाम मोहम्मद दुकान खाली कराना चाहता था, इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। शुक्रवार को जेल रोड स्थित एक फर्नीचर की दुकान के बाहर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान राजा नामक युवक अपने चार अन्य साथियों के साथ हलीम पर टूट पड़ा। हमलावरों ने लाठी-डंडों से उसकी जमकर पिटाई की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जान बचाने के लिए हलीम को भागना पड़ा, लेकिन हमलावरों ने उसे बीच सड़क दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मारपीट में हलीम गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर पर कई चोटें आईं। घायल के साथी अमित का आरोप है कि हमलावरों ने नुकीले हथियारों से भी हमला किया और हलीम को मरा समझकर उसके पास से करीब 50 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। हालांकि पुलिस की प्रारंभिक जांच में 50 हजार रुपये छीनने की बात की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीरों को मदद से घायल को गुलाम मोहम्मद से किराए पर दुकान ले रखी थी। दुकान खाली कराने को लेकर विवाद हुआ और मारपीट में हलीम को चोटें आई हैं। 50 हजार छीनने की बात भी सामने आई थी, लेकिन जांच में फिलहाल केवल मारपीट की बात सामने आई है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी के नेतृत्व में जीएमसी उरई में पहली आर्थोस्कोपिक ACL-PCL सर्जरी सफल

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई ने ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कॉलेज में पहली बार आर्थोस्कोपिक तकनीक से घुटने के एंटीरियर क्रुशियेट (Anterior Cruciate Ligament) और पीसीएल (Posterior Cruciate Ligament) लिगामेंट रिपेयर की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। कॉलेज प्रशासन के अनुसार यह जालौन जिले में भी इस प्रकार की पहली आर्थोस्कोपिक सर्जरी है। इस उपलब्धि को प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने बताया कि 20 वर्षीय राहुल पाल, निवासी इंगुई, जालौन, पिछले करीब छह माह से जटिल लिगामेंट इंजरी से परेशान था। मरीज के घुटने में एंटीरियर और पीसीएल लिगामेंट टियर की समस्या थी। ऑर्थोपेडिक्स टीम ने मरीज की स्थिति का परीक्षण करने के बाद आर्थोस्कोपिक तकनीक से लिगामेंट रिपेयर करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। आर्थोस्कोपिक तकनीक में छोटे चीरे के माध्यम से कैमरे एवं विशेष उपकरणों की मदद से घुटने के अंदर क्षतिग्रस्त हिस्से का उपचार किया जाता है। कॉलेज के अनुसार प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई और ऑपरेशन सफल रहा।
विशेषज्ञ टीम ने निभाई अहम भूमिका-सर्जरी में ऑर्थोपेडिक्स विभाग के सर्जन डॉ. सिद्धार्थ (एपी) और डॉ. अनुराग (एसआर) ने भूमिका निभाई। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. महेश एवं उनकी टीम ने संभाली। नर्सिंग स्टाफ से वर्षा सिस्टर ने सहयोग किया। विभाग के वरिष्ठ पीजी चिकित्सकों और ऑपरेशन थिएटर के समस्त स्टाफ ने भी सर्जरी के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान किया।
मरीजों को मिलेगा आधुनिक उपचार का लाभ-प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने सफल सर्जरी के लिए एनेस्थेसिस्ट टीम, ऑर्थोपेडिक्स विभाग के वरिष्ठ पीजी चिकित्सकों, ओटी स्टाफ और हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन टीम का विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में इस तरह की जटिल आर्थोस्कोपिक सर्जरी का होना मरीजों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा है। कॉलेज प्रशासन के अनुसार आर्थोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होने से घुटने की लिगामेंट इंजरी वाले मरीजों को उपचार के लिए दूसरे बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी। मेडिकल कॉलेज की टीम ने इसे संस्थान में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।



- छह माह से जटिल लिगामेंट इंजरी से जूझ रहे 20 वर्षीय युवक का हुआ सफल उपचार
- जालौन जिले में पहली बार आर्थोस्कोपिक तकनीक से ACL और PCL लिगामेंट रिपेयर
- ऑर्थोपेडिक्स, एनेस्थीसिया और ओटी टीम के समन्वय से पूरी हुई जटिल सर्जरी

डीजे , डीएम, एसपी के नेतृत्व में अन्य अधिकारियों ने किया जेल का निरीक्षण

■ पुरुष, महिला व किशोर बैरक के साथ अस्पताल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण
■ गरीब-असहाय बंदियों को निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने के लिए निर्देश
■ महिला बैरक में रह रहे दो बच्चों को बांटी खेलकूद व पठन-पाठन सामग्री

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। जिला कारागार उरई में शुक्रवार को जनपद न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जालौन स्थान उरई, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा अन्य अधिकारियों की संयुक्त टीम ने त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। संयुक्त टीम ने सबसे पहले कारागार की सभी पुरुष बैरकों का भ्रमण किया। इसके बाद जेल के अस्पताल, किशोर बैरक तथा महिला बैरक का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए बंदियों की स्थिति और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को व्यवस्थाओं को निश्चित मानकों के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण में गरीब एवं असहाय बंदियों के विधिक अधिकारों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि ऐसे बंदियों को नियमानुसार निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने की व्यवस्था को जायजा लिया और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। संयुक्त टीम ने सबसे पहले कारागार की सभी पुरुष बैरकों का भ्रमण किया। इसके बाद जेल के अस्पताल, किशोर बैरक तथा महिला बैरक का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक सावधानी बरतने को कहा, ताकि बंदियों और जेल कर्मचारियों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाया जा सके। निरीक्षण के दौरान महिला बैरक में निरुद्ध महिलाओं के साथ रह रहे दो बच्चों पर भी अधिकारियों ने विशेष ध्यान दिया। दोनों बच्चों को अधिकांश बंदियों की ओर से खेलकूद एवं पठन-पाठन की सामग्री वितरित की गई। अधिकारियों ने बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें सकारात्मक एवं शैक्षिक गतिविधियों से जोड़ने की पहल की। संयुक्त निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने जिला कारागार की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। कारागार प्रशासन की ओर से जेल अधीक्षक प्रशान्त मौर्य, कारापाल प्रदीप कुमार, कारागार चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल बर्मन, उप कारापाल अमर सिंह, उप कारापाल श्रीमती सुखवती देवी एवं प्रशिक्षु उप कारापाल सुश्री दिशा सहित कारागार विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में स्वाइन फ्लू वार्ड सक्रिय, मरीजों की नियमित जांच और उपचार जारी

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य सेवाएं सक्रिय हैं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से स्वाइन फ्लू मरीजों के लिए अलग वार्ड संचालित किया जा रहा है। यहां चिकित्सकों की निगरानी में मरीजों को भर्ती कर उनका उपचार और आवश्यक जांच कराई जा रही है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने बताया कि अस्पताल में स्वाइन फ्लू वार्ड नियमित रूप से संचालित है और मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।
उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में आने वाले संदिग्ध एवं संक्रमित मरीजों को चिकित्सकों द्वारा चिकित्सकीय परीक्षण के बाद आवश्यकतानुसार भर्ती किया जा रहा है। भर्ती मरीजों की नियमित जांच की जा रही है और उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर चिकित्सकों की टीम लगातार नजर रख रही है। आवश्यकता के अनुसार मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।
प्राचार्य ने बताया कि स्वाइन फ्लू वार्ड में मरीजों के उपचार से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सकीय स्टाफ द्वारा मरीजों की निगरानी के साथ ही जरूरी जांच और उपचार की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन सामान्य तरीके से किया जा रहा है।
मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार वार्ड में भर्ती मरीजों की स्थिति के अनुसार चिकित्सक उपचार की प्रक्रिया तय कर रहे हैं। मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और निगरानी उपलब्ध कराई जा रही है।
डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में स्वाइन फ्लू से संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं है। वार्ड में मरीजों के उपचार, जांच और निगरानी की व्यवस्था सामान्य रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय टीम मरीजों की देखभाल में जुटी है और जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बुढ़वा मंगल पर्व पर उमड़ने वाली भक्तों की भीड़ की सुरक्षा हेतु एसपी ने अधीनस्थों के साथ मंदिरों का लिया जायजा पूरी तरह सुरक्षित रखेगी बुढ़वा मंगल को पुलिस

(यंग भारत न्यूज)
उरई। आगामी बुढ़वा मंगल पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज अपर पुलिस अधीक्षक जालौन द्वारा ठडेश्वरी मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ गोष्ठी की गई। गोष्ठी में पर्व के आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई। इसके पश्चात मंदिर परिसर का स्थलीय भ्रमण कर -श्रद्धालुओं की आवाजवाही, यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं का जायजा लिया गया एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

वनडे क्रिकेट : वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर विराट-रोहित ने ठोके हैं सबसे ज्यादा रन

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच वनडे में लंबे समय से प्रतिस्पर्धा रही है। एक बार फिर दोनों टीमों में मैचों की सीरीज के लिए 27 सितंबर से अगले-सामने होंगे। दोनों टीमों के बीच हुए वनडे मुकाबलों में कई भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किए हैं। खसमती पर घरेलू सरजमीं पर उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। ऐसे में घरेलू मैदानों पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों पर नजर डाल लेते हैं।



विराट कोहली (1,265 रन)

इस सूची में पहले स्थान पर भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली हैं। उन्होंने भारत में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला मुकाबला साल 2011 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 23 मुकाबले खेले हैं और इसकी 23 पारियों में 63.25 की औसत के साथ 1,265 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 5 शतक और 6 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 157 रन रहा है। कोहली 3 पारियों में नाबाद भी रहे हैं।

रोहित शर्मा (1,118 रन)

दूसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैं। उन्होंने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ घर में अपना पहला वनडे



सचिन तेंदुलकर (677 रन)

तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने भारत में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला साल 1990 में खेला था। अखिरी बार वह साल 2011 में इस टीम के दिग्गज खेले हुए बल्लेबाज थे। तेंदुलकर ने 17 मुकाबले खेले थे और कुलमिल 17 पारियों में 45.13 की औसत से 677 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 2 शतक और 5 अर्धशतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 105 रन रहा था।



राहुल द्रविड़ (560 रन)

इस सूची में चौथे स्थान पर भारत के पूर्व स्टार खिलाड़ी राहुल द्रविड़ हैं। वह साल 2002 से 2007 तक वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय सरजमीं पर वनडे मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 12 मुकाबलों की 11 पारियों में 70 की शानदार औसत के साथ 560 रन बनाए। उनके बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 109 रन रहा। द्रविड़ 3 पारियों में नाबाद भी रहे।

खबर संक्षेप



मेस्सी ने इंटर मियामी के लिए चौथा गोल दागा

मियामी। लिगेनेल मेस्सी ने इंटर मियामी फुटबॉल क्लब के लिये चौथा गोल दागा जिसकी मदद से टीम ने कैपियोनेस कप में कुल अंजुल को 2-0 से मात दी। मेस्सी ने 24वें मिनट में पहला गोल किया जो 115 मैचों में उनका 100वां गोल था। केसमिरो ने 81वें मिनट में मेस्सी से मिले कॉर्नर पर दूसरा गोल दागा। पिछले पांच मैचों में ब्राजील के मिडफील्डर केसमिरो का यह चौथा गोल था। इस जीत से इंटर मियामी ने मेस्सी के आगमन के तीन साल बाद एक और टूर्नामेंट अपने नाम की। इससे पहले टीम लोग कप 2023, स्पेस्टर्स शील्ड 2024 और एमएलएस कप 2025 जीत चुके हैं।

बढ़त के बाद ईस्ट बंगाल ने अल हुसैन से खेला ड्रॉ



अम्मान। ईस्ट बंगाल ने एएफसी चैंपियन लीग टू ग्रुप डी के पहले मैच में जोर्डन प्रो लीग रॉयमन अल हुसैन एएससी के खिलाफ दो गोल की बढ़त बनाने के बावजूद 2-2 से ड्रॉ खेला। आईएसएल चैंपियन ईस्ट बंगाल हाफटाइम तक 2-0 से आगे थी। उसके लिये डेविड रॉयमन और अकर अली ने गोल किये लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खेल रही अल हुसैन ने दूसरे हाफ में दो गोल करके मैच ड्रॉ कर लिया। ईस्ट बंगाल का सामना अब ईराक के अल शर्त एएससी से 13 अक्टूबर को क्लेकानंद युवा भारतीय क्रीडांगण पर होगा।

साइना ने किया 'खेलें साफ़ उत्सव' का उद्घाटन



माण्ड (गुजरात)। ओलंपिक पदक विजेता वैडमटन खिलाड़ी साइना नेहावाल ने बुधस्मितावार को यहां 'खेलें साफ़ स्पोर्ट्स उत्सव' 2026 का उद्घाटन किया। उसके साथ ही साफ़ तालुका के सभी 105 गांवों में 18 दिवसीय ओलंपिक खेल अभियान को शुरूआत हुई। विजयी भारत फर्स्टस्टेज को 'खेलें साफ़ पहल' के तहत आयोजित यह खेल उत्सव 17 सितंबर से सत अक्टूबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य 150 से अधिक बच्चों के 25,000 से ज्यादा किशोरियों को खेलों से जोड़ना है। इसमें पांच से 17 वर्ष की आयु के लड़के और लड़कियां अंडर-8, अंडर-11, अंडर-14 और अंडर-17 वर्गों में हिस्सा लेंगी। उत्सव में कबड्डी, सॉफ्टबॉल प्रो, बॉली को भाल पेंक, दंड, साइक्लिंग, खो-खो, शारंग, लीडिंग ब्रीड चंप, चेंडमिन, कॉलेबॉल और सस्पाकबो जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अलावा खेल प्रशनेतरी का भी आयोजन किया जाएगा।

टी-20 सीरीज : अभिषेक ने 108 रन बनाए, नीतीश-बिशनोई को 3-3 विकेट

भारत ने अफगानिस्तान को 127 रन से हराकर सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप की

नई दिल्ली

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधस्मितावार को यहां तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण की ध्वजिया उड़ाते हुए 30 गेंद में शतक जड़ दिया जिसकी बदौलत भारत ने 127 से जीत दर्ज कर भुखला 3-0 से अपने नाम की। अभिषेक ने 34 गेंद में 108 रन की चौके शामिल थे। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका तीसरा शतक है। महज 30 गेंदों में शतक जड़कर वह इस प्रारूप में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय क्रिकेटर बन गए। इससे भारत ने सात विकेट पर 221 रन का विजान स्कोर खड़ा किया। अभिषेक के त्यागदात जैरदार शॉट गेंदबाजी के रिस के ऊपर से खांडू के पार पर। उनका सैकड़ा किसी टेस्ट खेलने वाले देश के बल्लेबाज का दुसरे टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ सबसे तेज शतक भी है। उन्होंने न्यूजीलैंड के फिन एलन के इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंद में बनाए शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की टीम 14.1 ओवर में 94 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस सीरीज में अफगानिस्तान की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से ही निराशा मिली है। अब दोनों टीमों यहां से एशियाई खेलों के लिए रवाना होंगी। भारत ने अफगानिस्तान की पारी का पहला ओवर ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को दिया। उन्होंने 15 रन दे दिए, लेकिन बाद में तीन विकेट लेकर वापसी की। अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में रहमानुल्लाह मुरबाज (15 रन) और सैदिकुल्लाह अटल के रूप में दो विकेट लेकर अफगानिस्तान को शुरूआती झटके दिए। जसप्रीत बुमराह ने पांचवें ओवर में अपनी स्पीड से गॉब्स रणुली के स्टैंप उखाड़ दिए। अगले दो ओवर में यह ठाकुर ने कप्तान इब्राहिम जराशन (25 रन) को आउट किया जिससे पावरप्ले में अफगानिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 47 रन था। इसके बाद टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवा दिए। रवि बिशनोई ने भी तीन विकेट चढकाए। भारत पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका है, ऐसे में अभिषेक की अक्रामक बल्लेबाजी ने इस औषचारिक मुकाबले में रोमांच भर दिया। सीरीज में पहली बार भारत ने पहले बल्लेबाजी की जिससे अभिषेक को क्रीज पर पूरा समय मिला।

अभिषेक
लेयर ऑफ
ट मैच और
सीरीज बने

108
रन
34
गेंद
09
चौके
11
छक्के

भारत-221/7 (20)	
खिलाड़ी	रन
रणु पर रविश खे जयरज	30
अभिषेक को गुरुकाज को राशिष	108
रिक्म खर् रज आउट	02
वेदरा अकर रज आउट	29
हुरी का रविश खे जयरज	14
ईशान दिशर रज आउट	10
नीतिशरेड्डी का रजमन खे अब्दुल्लाह	05
अक्षर पटेल नाबाद	00
रवि बिशनोई नाबाद	00
अतिरिक्त : 02	
कुल : 21 ओवर में सात विकेट पर 221 रन	
गेंदबाजी : काफिरा 4-5-39-0	
अंतराल : 3-0-27-2, रजमन 4-0-40-0, खर् 1-0-28-0, जैरदार 4-5-43-1, अजकुल्लाह 4-0-38-1	
अफगानिस्तान-94/10 (14.1)	
खिलाड़ी	रन
रहमानुल्लाह मुरबाज खे पटेल	15
इब्राहिम का रिक्म खे अकर	25
अटल का अभिषेक को पटेल	01
बशिष रणुली को बुमराह	00
जयरज का दिशर खे रविश	17
गुरुकाज खे नीतिश खे बिशनोई	11
महमूद खे नीतिश खे रविश	08
रविश खर् खे रवि बिशनोई	06
मुजेरु को रविश खे बुमराह	00
अजकुल्लाह का अकर खे बिशनोई	06
फजल्लाह फजल्लाह खर्	00
अतिरिक्त : 05	
कुल : 14.1 ओवर में 94 रन पर जम्मे आउट	
खिलाड़ी : नीतिश कुमार रेड्डी 4-0-25-3, जयरज कुमार 2-0-10-1, खर् 1-0-28-0, अक्षर पटेल 3-0-4-2, रवि बिशनोई 3-1-0-26-1	

एशियाई खेल में आज जापान से होगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की मिडंत

नई दिल्ली

पिछले सप्ताह दुबई में रिकॉर्ड आठवीं बार महिला टी20 एशिया कप जीतने के बाद गत चैंपियन और प्रबल दावेदार भारतीय क्रिकेट टीम आज को यहां एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरूआत क्वार्टरफाइनल में मेजबान जापान के खिलाफ करेगी। महिला संघों में आठ टीम हिस्सा ले रही हैं और प्रतियोगिता खेपे क्वार्टरफाइनल से शुरू होगी। इसका मतलब है कि किसी भी टीम को टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धियों के अनुरूप हलने के लिए ग्रुप चरण के मुकाबले नहीं मिलेंगे और एक हार अभियान को समाप्त करने के लिए काफी होगी। मैच भारतीय समयानुसार



शुब 10.30 बजे शुरू होगा। इस बार जापान में होने वाले एशियाई खेलों में 17 सितंबर से क्रिकेट के मैच प्रारंभ होंगे। महिला टूर्नामेंट का फाइनल 22 सितंबर को और पुरुष टूर्नामेंट का समापन 3 अक्टूबर को होगा। भारत ने पुरुष और महिला वर्गों में 2022 के पिछले हांगकॉंग खेलों में स्वर्ण जीते थे। ऐसे में इस संस्करण में भारतीय टीम अपना प्रदर्शन दोहराना चाहेगी। भारतीय टीम 18 सितंबर को अपने क्वार्टर फाइनल में मेजबान जापानी टीम से भिड़ेगी।

सर्फिंग : भारत के फ्रांसीसी कोच रेबूल की नजरें लॉस एंजलिस ओलंपिक पर

नई दिल्ली

भारत के फ्रांसीसी सर्फिंग कोच समार्ड रेबूल का मानना है कि एशियाई खेलों में सर्फिंग में भारत के ऐतिहासिक पदार्पण को 2028 लॉस एंजलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के सचौच्च लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। पूर्व सर्फर और प्रशिक्षित कोच रेबूल 2024 से भारतीय राष्ट्रीय टीम के साथ काम कर रहे हैं। वह आगामी आइसी-नागोया एशियाई खेलों की तैयारी के लिए सल्लाहकारों में चार सदस्यीय भारतीय टीम को प्रशिक्षण दे रहे हैं जहां सर्फिंग खेल पहली बार एशियाई खेलों का हिस्सा होगा।



भारत शॉर्टबोर्ड में 4 खिलाड़ी उतारेगा

मस्त बॉटबोर्ड स्पर्ध में ही पुरुष और महिला खिलाड़ियों को उतारेगा। किशोर कुमार और दिव्यराज शर्मा पुरुष वर्ग में जबकि रजनी शर्मा और श्रुत शर्मा क्वार्टर फाइनल वर्ग में हिस्सा लेंगी। एशियाई खेल 2028 ऑनलिक के लिए वोट खर्च भी प्रदान करने वाले अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए इस खेल के लक्ष्य छोड़ें नर तक पहुंचने का रस्ता खुल सकता है।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला : भारत में ही होगी आईपीएल 2027 की नीलामी

नई दिल्ली

पिछले कुछ सालों में इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी विदेशों में हुई है, लेकिन अब इस सिलसिले में विराट लगने वाला है। ऐसा खबर है कि आईपीएल 2027 की नीलामी भारत में ही होने वाली है। बीते दिनों आईपीएल सर्वनिष्ठ काउंसिल की बैठक के बाद ये खबर सामने आई है। बता दें कि आखिरी बार भारत में 2023 में (कोविड) नीलामी का आयोजन हुआ था। आईपीएल 2027 की नीलामी के लिए स्थल का अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है। शहर का चयन फ्रैंचाइजी और उनके प्रतिनिधिमंडलों के लिए होना तथा अब सुविधाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखकर किया जाएगा।



बड़ी नीलामी फिर से विदेश में होगी
क्रिकेटज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस खेल बीसीसीआई ने छोटी नीलामी के लिए भरा को हो चुका है। खिलाड़य जग से इस छोटी नीलामी के बाद आने वाले खेल होने वाली बड़ी नीलामी फिर से विदेश में हो सकती है। पिछले कुछ सालों में इंग्लैंड, जेप्रा और अन्य जगहों में आईपीएल की नीलामी हुई थी। पिछले साल 2025 संस्करण के लिए छोटी नीलामी का आयोजन अब जगहों के परिदृश्य परिक में किया गया था।

वनडे में एक-दूसरे के खिलाफ दोनों टीमों 27 सितंबर से होंगी आमने-सामने

वनडे में भारत अब तक रहा वेस्टइंडीज पर हावी, 142 मुकाबलों में 72 जीते

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच 27 सितंबर से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेला जानी है। दोनों टीमों के बीच आखिरी वनडे सीरीज साल 2023 में खेले गई थी। उस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-1 से अपने नाम किया था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत आगामी सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक बार फिर उम्दा प्रदर्शन करना चाहेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पलड़ा रहा है भारी

वनडे क्रिकेट के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक 142 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 72 मैच जीते हैं। वहीं



वेस्टइंडीज की 64 मुकाबलों में जीत मिली है। 4 मैच बेनतीज रहे हैं, जबकि 2 मुकाबले टाई पर समाप्त हुए हैं। दोनों टीमों के बीच हुए आखिरी 5

साल 2002 से भारत में कोई वनडे सीरीज नहीं जीती वेस्टइंडीज
दोनों टीमों कुल 24 द्विपक्षीय वनडे सीरीज में एक-दूसरे खेले हैं। इसमें से 15 सीरीज भारतीय टीम ने जीती हैं, जबकि 8 सीरीज वेस्टइंडीज ने अपने नाम की हैं। दोनों टीमों के बीच एक से वनडे सीरीज हुईं बनीं रही। भारत ने दोनों टीमों के बीच 12 वनडे सीरीज खेले हैं। इसमें भारत ने 4 सीरीज जीती हैं, जबकि वेस्टइंडीज की 4 में जीत मिली है। वेस्टइंडीज ने आखिरी बार भारत में साल 2002 में वनडे सीरीज जीती थी।
विराट-रोहित सहित इनका रहा उम्र प्रदर्शन
वेस्टइंडीज के खिलाफ जबकि एक वनडे भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली 35 पारियों में 57.6 की औसत से 1,663 रन (शतक-3) बनाए हैं। वेस्टइंडीज ने रविश जोशिया के 32 मैचों में 20.88 की औसत से 44 विकेट लिए हैं।

एशियाई महिला क्रिकेट

बांग्लादेश खेले बिना सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने थाईलैंड को हराया

नजरोर

बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम मैदान पर उतरे बिना ही एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि पाकिस्तान को थाईलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ जीत दर्ज करने में काफी पम्मां काना पड़ा। बांग्लादेश अपनी ऊंची अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के कारण अंतिम चार में पहुंच जब चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला घुसरायावार को गौरी आउटफोल्ड के कारण रद्द हो गया। आइसी प्रॉट के खूबसूरत निर्धार शहर में कारोबी स्पोर्ट्स पार्क में होने वाले इस टी20 मुकाबले में टीम भी नहीं हो सका। बांग्लादेश आईसीसी टी20 रैंकिंग में 10वें और



चीन 36वें स्थान पर है। हयमनप्रॉट कोर की कप्तानी वाली भारतीय टीम आठ टीमों की स्पर्ध में पिछली चैंपियन है।

16

114